उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में भूमि की सिंचाई

3597. **श्री गंगा चरण दीक्षित :** क्या सिंचाई और विद्युत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में इस समय खेती योग्य सिंचित भूमि की प्रतिशतता क्या है, और

(ख) सरकार द्वारा मध्य प्रदेश में सिंचाई सुविधाओं में सुधार करने के लिए क्या कार्यवाही की जा रही है ?

सिंचाई और विद्युत मंत्री (श्री कृष्ण चन्द्र पन्त): (क) और (ख). इस समय उत्तर प्रदेश में कुल फसली क्षेत्र के लगभग 34% भाग में सिंचाई व्यवस्था है । इसमें वे व्यापक क्षेत्र भी शामिल हैं जहां पर सिंचाई सुरक्षात्मक प्रकृति की है तथा जल की निर्धारित मात्रा अपर्याप्त है । इसके अलावा, बन्दियों के अन्तर्गत आने वाले बृहद क्षेत्रों को भी तथाकथित सिंचित आंकड़ों में शामिल कर लिया गया है ।

इस समय मध्य प्रदेश में लगभग 10% फसली क्षेत्र की सिंचाई की जाती है । सिंचाई को राज्य के पांचवीं योजना कार्यक्रमों में उच्च प्राथमिकता दी गई है और पांचवीं योजना के अन्त तक इसकी प्रतिशतता बढ़कर लगभग 14.5% हो जाने की आशा है ।

मध्य प्रदेश के सीधी जिले में तापीय विद्युत केन्द्र की स्थापना

3598. **श्री गंगा चरण दीक्षित :** क्या सिंचाई और विद्युत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या एक रूसी दल ने मध्य प्रदेश के सीधी जिले के सिंगरौली कोयला क्षेत्र का दिसम्बर, 1973 में सर्वेक्षण किया था और वहां एक तापीय विद्युत केन्द्र की स्थापना की सम्भावना की पुष्टि की थी, और

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में सरकार ने क्या कार्यवाही की है ?

सिंचाई और विद्युत मंत्रालय में उपमंत्री (श्री सिद्धेश्वर प्रसाद) : (क) और (ख). जी हां एक रूसी दल ने उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में सिंगरौली कोयला क्षेत्र का सर्वेक्षण किया है । ये विशेषज्ञ उद्योगों एवं विद्युत उत्पादन के लिए कोयले के उत्पादन के समेकित विकास हेतु संभाव्यता रिपोर्ट तैयार करेंगे । संभाव्यता रिपोर्ट के प्राप्त हो जाने पर आगे कार्यवाही की जायेगी ।

ताप्ती नदी पर एक बांध के निर्माण के बारे में समझौता

3599. **श्री गंगा चरण दीक्षित :** क्या सिंचाई और विद्युत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या ताप्ती नदी पर एक बांध के निर्माण के बारे में मध्य प्रदेश तथा महाराष्ट्र सरकारों के बीच कोई समझौता हो गया है ,

(ख) यदि हां, तो उसकी मुख्य बातें क्या हैं,

(ग) क्या इस बांध का निर्माण कार्य आरम्भ हो गया है, और यदि हां, तो इसमें कितनी प्रगति हुई है, और

(घ) यदि नहीं, तो उक्त निर्माण कार्य के कब तक आरम्भ हो जाने की सम्भावना है ?

सिंचाई और विद्युत मंत्रालय में उपमंत्री (श्री सिद्धेश्वर प्रसाद) (क) और (ख) अपर ताप्ती परियोजना (चरण-दो) के संबंध में मई, 1969 में मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र राज्य सरकारों के मध्य एक समझौता हुआ था । समझौते में व्यवस्था है कि महाराष्ट्र सरकार को खेरिया-गटोचाट में एक जलाशय के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने के कार्य को आगे बढ़ाए और मध्य प्रदेश सरकार मध्य प्रदेश सीमा में पानी के समुपयोजन के बारे में और अन्वेषण करे और यदि आवश्यक हो तो मध्य प्रदेश में और अधिक सिंचाई की व्यवस्था हेतु स्कीम में संशोधन कर लें ।

(ग) और (घ) महाराष्ट्र सरकार ने हाल ही में परियोजना रिपोर्ट और स्कीम के लिए प्राक्कलन भेजे हैं, जिसे दोनों राज्यों के एक संयुक्त उपक्रम के रूप में कार्यान्वित करने का प्रस्ताव है । इनको केन्द्रीय जल और विद्युत आयोग में तकनीकी जांच की जा रही है ।